ग्रेटर नोएडा में आईटी कंपनियों के लिए निवेश का मौका

ग्रेटर नोएडा, कार्यालय संवाददाता। देश और विदेश की बड़ी आईटी कंपनियों को ग्रेटर नोएडा में निवेश करने का मौका मिलेगा। प्राधिकरण आईटी सेक्टर के लिए भूखंडों की योजना शुरू किए जाने की तैयारी कर रहा है।

इसके लिए सेक्टर टेक्जोन और नॉलेज पार्क-5 में जगह चिह्नित कर ली गई है। इस महीने योजना शुरू कर दी जाएगी। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक आईटी भूखंडों की योजना में 1,4, 10 और 20 एकड़ के कुल पांच भूखंड होंगे। 10-10 एकड़ के दो, 20 एकड़ का एक भूखंड सेक्टर टेक्जोन और एक एकड़ और चार एकड़ के 1-1 भूखंड सेक्टर नॉलेज पार्क-5 में होंगे। इसके लिए जगह चिह्नित कर लगभग सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं।

दरअसल, निर्माणाधीन नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर और बेहतर आधारभूत संसाधन के चलते ग्रेटर नोएडा में आवासीय भूखंडों की मांग के साथ औद्योगिक निवेश की संभावनाएं लगातार बढ़ रही हैं।

अधिकारी के मुताबिक आईटी सेक्टर की कई बड़ी कंपनियों ने यहां निवेश करने की इच्छा जताई है। इससे संबंधित प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसको देखते हुए फिलहाल पांच बड़े भूखंडों की योजना शुरू करने की तैयारी चल रही है। बड़ी कंपनियों के आने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। वहीं, उद्योगों के लिए भी 39 भूखंडों की योजना शुरू की गई थी। इससे भी भारी भरकम निवेश आने की संभावना है।

बीपीओ/कॉल सेंटर के लिए 22 भूखंडों की योजना

प्राधिकरण ने बिजनेस प्रोसेस आउटसोर्सिंग (बीपीओ)/ कॉल सेंटर के लिए छोटे आकार के 22 भूखंडों की योजना शुरू की गई है। इसमें पंजीकरण की प्रक्रिया चल रही है। आईटी कंपनियों के लिए यहां अपना दफ्तर खोलकर कारोबार बढ़ाने का अच्छा मौका है। लंबे इंतजार के बाद यह योजना लाई गई है। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। योजना में शामिल भूखंडों का क्षेत्रफल 500, 684, 783, 1000, 1042, 1126, 1206 व 1389 वर्गमीटर है। इसमें सबसे ज्यादा 500 और 1000 वर्गमीटर के भूखंड हैं। भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी के माध्यम से किया जाएगा। योजना में पंजीकरण की प्रक्रिया 25 अगस्त से शुरू हो गई है।

> आईटी सेक्टर में कई बड़ी कंपनियां निवेश करने के लिए आगे आई हैं। निवेश की बढ़ती संभावनाओं को देखते हुए बड़े भूखंडों की योजना शुरू करने की प्रक्रिया चल रही है। योजना में 1,4, 10 और 20 एकड़ के कुल पांच भूखंड होंगे। निवेश आने से रोजगार के अवसर पैदा होंगे। -प्रेरणा सिंह, एसीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण